अलवर में तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित, कई इलाकों में भरा पानी

तेज बारिश का दौर शुरू हो गया, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है

अलवर । अलवर जिले में गुरुवार सुबह से ही तेज बारिश का दौर शुरू हो गया, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग पहले ही तेज बारिश का अलर्ट जारी कर चुका था, जिसे देखते हुए कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने एहतियातन जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी के आदेश जारी किए।

तेज बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई है। जिला अस्पताल के बाहर सडक़ पर पानी भरने से मरीजों और परिजनों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, अंबेडकर सर्किल पर भी पानी भरने से आवागमन बाधित हुआ। अठासेन ओवरब्रिज के पास जलभराव के चलते ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे वाहन चालकों को लंबा इंतजार करना पड़ा।

सिलीसेढ़ बांध में आसपास के पहाड़ों से पानी तेज़ी से आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर इसी तरह पानी आता रहा तो देर शाम या रात तक सिलीसेढ़ बांध भर जाएगा। 200 फीट रोड पर फ्रेंड्स गार्डन के बगल वाली सडक़ का एक हिस्सा धंस गया। इससे करीब 10 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया। गरबाजी के पास तेज बारिश होने के कारण झरना उफान पर रहा।

जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अपील : अलवर जिले में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. आर्तिका शुक्ला ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण नदियों, नालों, झरनों, जोहड़ों और पहाड़ी इलाकों में पानी का बहाव तेज हो गया है, ऐसे में आमजन इन क्षेत्रों से दूरी बनाए रखें।

डॉ. शुक्ला ने विशेष रूप से आगाह किया कि तेज बहाव की स्थिति में किसी भी पुलिया या बहती सडक़ को पार करने का प्रयास न करें। जर्जर भवनों में रहना खतरनाक हो सकता है, इसलिए उनका उपयोग तुरंत बंद कर दिया जाए।

उन्होंने कहा कि विद्युत पोल, खुले तारों और अन्य जोखिम वाले स्थानों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। यदि किसी स्थान पर जर्जर भवन, जलभराव या अन्य खतरे की स्थिति हो, तो तुरंत जिला कंट्रोल रूम नंबर 0144-2338000 पर सूचना दें।

कलेक्टर ने कहा कि आपसी सहयोग और सतर्कता से हम आपदाओं को नियंत्रित कर सकते हैं। नागरिकों से अनुरोध है कि वे प्रशासन का सहयोग करें और खुद के साथ दूसरों की भी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

रामगढ़ के उपखंड ऑफिस भवन की फ्रंट दीवार के साथ करीब डेढ़ फीट व्यास का गड्ढा बन गय़ा

रामगढ़ के उपखंड ऑफिस भवन की सुरक्षा को लेकर आमजन की चिंता बढ़ गई है। भवन की फ्रंट दीवार के साथ करीब डेढ़ फीट व्यास का गड्ढा बन गय़ा है। इस छोटे से गड्ढे में सिविल एवं एसडीएम कोर्ट परिसर में जमा हजारों लीटर बरसाती पानी समा गया है। भवन की नींव में इतनी बड़ी मात्रा में पानी समाने से सुरक्षा खतरे को देखते हुए गुरुवार को दोपहर बाद रामगढ़ बार एसोसिएशन ने विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने एसडीएम कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की।

बार एसोसिएशन के एडवोकेट संजीव अरोड़ा,धर्मपाल, अमित कसोटिया, रघुवीर कसाना, राजू सांवरिया, राजकुमार यादव, दिनेश शर्मा,राकेश यादव,संजय वर्मा, मनीष पोसवाल, बार एसोसिएशन अध्यक्ष चरणजीत सिंह और अन्य वकीलों ने बताया कि पिछले एक महीने में कई बार इस गड्ढे के बारे में पूर्व एसडीएम को अवगत कराया गया था। मगर इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

तेज बारिश के बाद कोर्ट परिसर में जमा पानी इस गड्ढे से सीधे भवन की नींव में समा गया है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चरणजीत सिंह ने बताया कि इस मामले में वर्तमान एसडीएम से भी बात की गई, लेकिन उनकी कार्यशैली संतोषजनक नहीं लगी। एसडीएम अनिल मीना ने बताया-उन्होंने पिछले सप्ताह ही यहां कार्यभार संभाला है। उन्होंने स्वीकार किया कि भवन की नींव में बड़ी मात्रा में पानी गया है।

अलवर जिले में गुरुवार सुबह से ही तेज बारिश के बाद बाजारों में पानी भर गया।

- **मौसम विभाग पहले ही तेज बारिश का अलर्ट जारी कर चुका था, जिसे देखते हुए कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने एहतियातन जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी के आदेश जारी किए।**

वरिष्ठ उप सचिव पंवार को भावभीनी विदाई

अजमेर (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग में वरिष्ठ उप सचिव भंवर सिंह पंवार की सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोग कार्मिकों द्वारा समारोह आयोजित कर उन्हें विदाई दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आयोग अध्यक्ष उत्कल रंजन साहू ने कहा कि सरकारी कर्मियों को जिस दिन सरकारी सेवा के लिए पदभार मिलता है उसी दिन सेवानिवृत्ति का दिन भी तय हो जाता है। भंवर सिंह पंवार ने राजकीय सेवा के अपने दीर्घ कार्यकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। संपूर्ण आयोग परिवार इनकी सेवाओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए इनके सुखद भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता है। आयोग सदस्य रिटार्यड लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह राठौड़ ने भी पंवार को सुखद भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

अपने संबोधन में आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने पंवार की कार्य के प्रति निष्ठा एवं प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए आयोग के कार्यों में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। पंवार ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए और आयोग अध्यक्ष, सदस्यों एवं सभी सहकर्मियों के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह में आयोग के कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पंवार को साफा पहनाकर सम्मान-पत्र भेंट किया। राजपत्रित अधिकारी संघ की और से दयाकर शर्मा तथा जितेंद्र उदय एवं मंत्रालयिक कर्मचारी संघ अध्यक्ष नरेंद्र ने माल्यार्पण कर पंवार का अभिनंदन किया। कार्यक्रम दौरान मंच संचालन अनुभाग अधिकारी दिनेश सिंगोदिया द्वारा किया गया।

दो परिवाद की सुनवाई पर फैसला

- **दो निजी बीमा कंपनियों पर लगाया हर्जाना**

जोधपुर, (कासं)। जिला उपभोक्ता आयोग जोधपुर द्वितीय ने दो परिवाद मंजूर करते हुए व्यवस्था दी है कि निवेश या व्यावसायिक उद्देश्य से ली गई बीमा पॉलिसी धारक उपभोक्ता की श्रेणी में आने से परिवाद पोषणीय है, वहीं दूसरे परिवाद में बैंक द्वारा बीमा पॉलिसी रद्द करने की सूचना नहीं देने को अनुचित व्यापार व्यवहार माना है। आयोग के अध्यक्ष डॉ यतीश कुमार शर्मा और सदस्य डॉ अनुराधा व्यास ने एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी पर 10 हजार रुपए हर्जाना तथा रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी और बैंक ऑफ इंडिया पर बीस बीस हजार रुपए हर्जाना लगाया है।

पहले मामले में हर्षिता कोठारी ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से परिवाद दायर कर कहा कि उनकी माताजी ने पांच लाख रुपए का जीवन बीमा एच डी एफ सी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से कराया था। 24 फरवरी 2023 को बीमाधारी की मृत्यु का दावा यह कहकर खारिज कर दिया कि बीमा पॉलिसी लेते वक्त आवश्यक तथ्य छुपाए थे। परिवादी की ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि बीमा पॉलिसी के समय आयकर रिटर्न और अन्य बीमा पॉलिसी का हवाला दिया था। बीमा कंपनी की ओर से आपत्ति की गई कि बीमा आवरण यूलिप पॉलिसी है,जो निवेश के उद्देश्य से ली गई है,सो व्यावसायिक गतिविधि होने से परिवादी उपभोक्ता नहीं है।

जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए दस हजार रुपए हर्जाना और पांच हजार रुपए परिवाद व्यय लगाते हुए कहा कि यूलिप के बहाने से मृत्यु दावे को नकारना सेवा दोष है और परिवादी उपभोक्ता की श्रेणी में आता है। उन्होंने पांच लाख रुपए मय ब्याज 30 दिन में अदा करने का आदेश दिया।

दूसरे मामले में मधुबाला उपाध्याय ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया ने बचत खाता होने से वर्ष 2011 से प्रति वर्ष नेशनल इंश्योरेंस कंपनी से 2018 तक मेडीक्लेम बीमा खाते से प्रीमियम कटौती कर करवाया जाता रहा है और उन्हें काफी समय बाद जानकारी हुई कि बीमा कंपनी ने वर्ष 2019 की पॉलिसी नवीकरण नहीं करते हुए बैंक को प्रीमियम रिफंड कर दिया,लेकिन बैंक ने इसकी जानकारी परिवादी को नहीं दी। परिवादी ने बाद में अपना बीमा रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी से करवाया। 2022 में घुटनों की सर्जरी का दावा बीमा कंपनी ने यह कहकर खारिज कर दिया कि 6 साल से घुटनों की तकलीफ है। अधिवक्ता अनिल भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि एम्स अस्पताल ने तीन साल से घुटने की समस्या बताई है,लेकिन कहीं पर यह नहीं आया कि तीन या छह साल पहले घुटने खराब हो चुके हों।

जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए बैंक और बीमा कंपनी पर बीस बीस हजार रुपए हर्जाना व दस हजार रुपए परिवाद व्यय लगाते हुए कहा कि 67 वर्षीय महिला के घुटने दुखने से यह निष्कर्ष निकालना कि घुटने पहले से ही खराब हो गए हो और इस आधार पर दावा खारिज किया जाना बीमा कंपनी की सेवा में कमी और त्रुटि है।

रील बनाने के बहाने बुलाकर धमाकाने की गैग का पर्दाफाश, 4 पकड़े

जालोर जिले के सायला पुलिस ने सोशल मीडिया रील बनाने के बहाने बुलाकर एवं फिर डरा धमकाकर मोबाइल से रूपये ट्रांजेक्शन करवाने वाली गैंग का पर्दाफाश कर 4 आरोपियों को गिरपतार किया।

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सायला पुलिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया रील बनाने के बहाने बुलाकर एवं फिर डरा धमकाकर मोबाइल से रूपये ट्रांजेक्शन करवाने वाली गैंग का पर्दाफाश कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्यवाही पुलिस थाना सायला एवं पुलिस थाना गिराब बाडमेर की संयुक्त पुलिस टीम ने सोशल मीडिया के जरिये अपराध करने वाले अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही का अंजाम दिया है। जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशानुसार वांछित अपराधियों की धरपकड के तहत सायला थानाधिकारी सुरेन्द्रसिंह के नेतृत्व में बाबुलाल सउनि. मय टीम एवं पुलिस थाना गिराब जिला बाडमेर की संयुक्त टीम ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर रील बनाने के बहाने बुलाकर डरा धमकाकर रूपये ऐंठने वाली गैंग को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि लाबुराम पुत्र हरसनराम जाति देवासी निवासी विशाला जो सोशल मिडिया के इस्ट्राग्राम पर रील वगैरा बनाता है, जिसने रिपोर्ट दी कि 28 जुलाई 2025 को मेरे मोबाईल नम्बर पर अज्ञात व्यक्ति ने अपने मोबाईल नम्बर से वाट्सअप कॉल किया व मुझे अपने आप को ईश्वरसिंह सोढा बताया व मुझे कहा कि कहां हो, आपके साथ रील बनानी हैं, तब मैने कहा मैं घर पर हूँ, तब उस व्यक्ति ने मुझे महाराणा प्रताप चौक विशाला पर बुलाया तब मैं वहां पंहुचा तो मुझे सफेद रंग की स्विफ्ट कार में बैठाकर कोरा की तरफ लेकर गया, करीबन एक-डेढ किलोमीटर आगे जाने पर उक्त ईश्वरसिंह ने गाडी रोकी व वहां खडे चार अज्ञात लडकों को गाडी में बिठाया, बाद में उक्त सभी ने मुझे डरा धमका कर मेरा मोबाईल लिया व लॉक खुलवा कर मेरा पूरा फोन चैक किया बाद में मेरे फोनपे का पासवर्ड लिया व अलग अलग खातों मे 1,93,000 रुपये ट्रांसर्फर किया, बाद में पांथेडी गांव की सरहद में नीचे उतार दिया। पुलिस ने बताया कि ईश्वरसिंह , महेन्द्रसिंह, विंजराजसिंह उर्फ नारायणसिंह व जुंजारसिंह को 30 जुलाई को सरहद बालेवा पुलिस थाना गिराब जिला बाड़मेर से दस्तयाब किया जाकर बाद अनुसंधान प्रकरण हाजा में गिरफ्तार किया गया। उक्त मुलजिमानों को आज जालोर न्यायालय में पेश कर पीसी रिमाण्ड पर प्राप्त किया जावेंगा।

विभिन्न परीक्षाओं की विचारित सूची जारी

अजमेर (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक खनि अभियंता (खान एवं भूविज्ञान विभाग) तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी- साइबर फॉरेंसिक डिवीजन एवं डीएनए डिवीजन प्रतियोगी परीक्षा-2024 के अंतर्गत विचारित सूचियां जारी की गई है।

सहायक खनि अभियंता के पदों के लिए 78, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी- साइबर फॉरेंसिक डिवीजन के पदों के लिए 15 एवं डीएनए डिवीजन के पदों के लिए 24 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच लिए अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि विचारित सूचियां चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है। यह चयन सूची अथवा वरीयता सूची नहीं है। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची संबंधित विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन कराए जाने के बाद आयोग द्वारा जारी की जाएगी।

विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन-पत्र ऑनलाइन भरने होंगे। वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी- साइबर फॉरेंसिक डिवीजन एवं डीएनए डिवीजन के अभ्यर्थियों के लिए विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने का लिंक 6 से 12 अगस्त 2025 (रात्रि 11.59) तथा सहायक खनि अभियंता की विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों हेतु विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने का लिंक 7 से 13 अगस्त 2025 (रात्रि 11.59)तक खोला जाएगा।

जालोर में कथावाचक ने भिक्षा मांगी

जालोर, (कासं)। जालोर में कथावाचक अभयदास की हठधर्मिता के चलते प्रशासन द्वारा अनुमति देने के बाद भी कथा नही करने से लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। वही कथावाचक ने गुरुवार को अपने भक्तों के घर घर जाकर भिक्षा मांगी तथा उनके घर खाना खायाा लेकिन कथावाचक के मांस मदिरा का सेवन करने वालों के घर खाना नही खाने का प्रण टूटा। वही शाम को कथावाचक मीडिया से भी रुबरु हुए।

जालोर में कथावाचक के कथा करने की जिद के चलते बुधवार देर शाम को शिव सेना के जिला प्रमुख रुपराज पुरोहित ने दिनभर प्रयास कर अपने फर्म हाउस पर कथा करने की अनुमति की कही, लेकिन कथावाचक को फर्म हाउस पर कथा करने की अनुमति देने की बात करने पर उन्होने वहा पर कथा करने से कथावाचक ने मना कर दिया। इसके बाद रुपराज ने अनुमति वापस ले ली तथा कथावाचक के प्रति अपनी नाराजगी प्रकट की। रुपराज ने कहा कि प्रशासन अनुमति देने को तैयार है। मैने अपनी जिम्मेदारी से कथा के लिए अनुमति ली, लेकिन कथावाचक ने वहां पर कथा करने से मना कर दिया।

गुरुवार को कथावाचक ने भक्तो के घर घर जाकर भिक्षा मांगी तथा उनके वहां भोजन किया, लेकिन कथावाचक का प्रण था कि वह किसी भी ऐसे व्यक्ति के घर भोजन ग्रहण नही करेगे जो मांस या मदिरा का सेवन करता हा, लेकिन गुरुवार को एक मांस विक्रेता के घर के बार बैठकर भिक्षा लेकर खाना खाया। ऐसे मे कथावाचक के हर बार अपने बयानो से पलटने से लोगों में भी असमंजस्य की स्थिति बनी हुई है

वहीं शाम को कथावाचक अभयदास ने प्रेस वार्ता कर कहा कि जालोर में ही किसी भक्त के घर रहकर चातुर्मास कर वापस चला जाऊंगा। कथा करने का आज भी मानस है, लेकिन कथा स्थल को लेकर जगह नही मिलने पर यही कही भजन कीर्तन करेंगे। कथावाचक ने कहा कि प्रशासन ऐसी जगह जानबुझकर अनुमति दे रही है, जहां मै नही जाना चाहता हूं। वही शिवसेना के जिला प्रमुख रुपराज पुरोहित द्वारा अनुमति लेने के बाद मना करने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि रुपराज पुरोहित ने अनुमति लेने के लिए मेरे पास आये तथा मेरा शपथ पत्र लेने को कहा, मैन शपथ पत्र देने से इंकार कर दिया। बार बार अपनी बातों से पलटने के प्रश्न पर कहा कि मै बार बार नही पलटता हूँ मै अपनी जिद पर आज भी अडिंग हूँ। कथा करने की बजाय दूसरे विवाद में क्यो पडे के प्रश्न पर कहा कि मै कथा के साथ धर्म की रक्षा करना चाहता हूं, इसलिए मै अपनी धर्म रक्षा के लिए आगे आया। संत महात्मा को तो इंसानियता का पाठ पढाना चाहिए और आप धर्म के नाम पर बांटने की बात करते हो के प्रश्न पर कहा कि मै इंसानियता का पाठ पढाने के साथ लोगो को धर्म नीति के बारे में भी बताना जरुरी है। उन्हें धर्म की सही राह पर लाना हमारा कार्य हैं। बायोसा मंदिर दर्शन की बजाय मजार विवाद क्यो किया के प्रश्न पर कहा कि मैने दर्शन करने के बाद देखा की मजार बनी हूई है, जो गलत है, तो मैने विरोध किया।

खेलते-खेलते टाई हुक में फंसी, दम घुटा, बच्चे की मौत

बीकानेर । यहां 10 साल के बच्चे की खेल-खेल में मौत हो गई। बच्चा स्कूल से घर लौटकर अपने भाई के साथ खेल रहा था। अचानक उसकी टाई एक हुक में फंस गई, निकलने के लिए बच्चा घूमता गया, लेकिन टाई गले में फंसती गई और उसका दम घुटता गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर मां रसोई से आई और बच्चे को हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। घटना बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ तहसील के गांव गुसाईसर बड़ा में की है। बच्चे के दादा पेमाराम प्रजापत ने बताया कि पोता कानाराम कुम्हार (11) अपने भाई-बहन के साथ गुंसाईसर बड़ा के एक स्कूल में पढ़ता था। छुट्टी के बाद तीनों घर लौटे थे। उनकी मां बच्चों का खाना परोसने रसोई में चली गई। दोनों पोते कमरे में खेलने लगे। कानाराम की टाई खूंटी में अटक गई। वह घूमता गया और टाई उसके गले में फंस गई। हॉस्पिटल लेकर गए। तब तक

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में पर्दा, रॉड एवं सॉकेट आपूर्ति मय स्थापना हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन **GSU2526GSRC00029** हैं। निविदाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी **http://sppp.rajasthan.gov.in** व **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/7246
वित्त नियंत्रक

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 1152
Date :- 30/07/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. : 16/2025-26

Bids for MPT, Talab, Talai, ECD, Farm Pond, Talab renovation work Project PMKSY2.0 Block – Todabhim of estimated value (64.80+15.51) INR 80.31 Lacs [02 Package] are invited from interested bidders up to 11.59 PM, 10-08-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)** of the state, departmental website. **NIB CODE :- WSC2526A0556**
UBN NO- WSC2526WSRC00936, WSC2526WSRC00935

Raj.Samwad/C/25/7253
Superintending Engineer and Project Manager

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जालोर

क्रमांक-लेखा/2025-26/3349
दिनांक-24.07.2025

ई-निविदा सूचना-01/2025-26

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जालोर के अधिन संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आहोर, सियाणा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हरजी के लिए पॉईन्ट ऑफ केयर कार्डियक एण्ड टॉक्सिकोलॉजी मार्कर मशीन आपुर्ति के लिये राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 में विहित नियमों एवं वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी प्रावधानों के अन्तर्गत नियमानुसार विनिर्माता/अधीकृत विक्रेताओं से E-Proc. पोर्टल पर बोली आमंत्रित की जाती है।
आवेदन पत्र/निविदा दस्तावेज राज्य लोक उपापन पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in/ sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
UBN: MHS2526GLOB03040, NIB: MHS2526A2015

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जालोर

DIPR/C/10723/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-1244
Notice Inviting Bid: 1626/202526
दिनांक-24.07.2025

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 05.08.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 300.70 lacs and maximum value of single work in this procurement is 29.92 lac.

NIT NO.	16	17	18	19	20
UBN NO.	PHE2526WSOB 04930	PHE2526WSOB 04931	PHE2526WSOB 04933	PHE2526WSOB 04934	PHE2526WSOB 04935
NIT NO.	21	22	23	24	25
	PHE2526WSOB 04936	PHE2526WSOB 04937	PHE2526WSOB 04938	PHE2526WSOB 04939	PHE2526WSOB 04940
NIT NO.	26				
	PHE2526WSOB 04941				

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता
जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

DIPR/C/10573/2025

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय

जोबनेर 303329, जिला जयपुर (राजस्थान), फोन नं. 01425-254022 (कार्यालय), e-mail Id : dean.skncoa@sknau.ac.in

क्रमांक :- एफ.( )/सीएस/ई बिड/श्रीकनकृमवि/2025/849
दिनांक :- 30/07/2025

ई-बिड सूचना

पशुपालन, प्रायोगिक एवं अन्य कृषि कार्य हेतु सभी श्रेणी के श्रमिक आपूर्ति की ई-बिड प्रपत्र वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है एवं **sppp.rajasthan.gov.in and www.sknau.ac.in** देखा जा सकता है। ई-बिड प्रपत्र शुल्क राशि 1000.00, धरोहर राशि Rs. 3.40 Lakhs (DD/BC in favour Dean, SKNCOA, Jobner) तथा RISL प्रोसेसिंग फीस राशि 2000.00 भरकर दिनांक 19.08.2025 समय सायं: 05:00 बजे तक Upload करवाना एवं अधिष्ठाता कार्यालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में जमा करवाना होगा एवं दिनांक 20.08.2025 को सुबह 11.30 बजे ई-बिड समिति द्वारा खोली जावेगी।
UBN : SKN2526SLOB00162

राज.संवाद/सी/25/7244
अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER P.W.D. DN. ALIGARH

No.: 1154-63
Dated: 21.07.2025

Notice Inviting Bid 08/2025-26

9 Nos. Bids for Missing Link & Renewal Roads works are invited from interested bidders upto 01.08.2025 Time 6.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http:// eproc.rajasthan.gov.in, http:// sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and Public Works department Rajasthan website. The approximate value of the procurement is Rs. 863.36 Lacs.
NIB CODE: PWD2526A2125
UBN is: (1) PWD2526WSOB07677, (2) PWD2526WSOB07678, (3) PWD2526WSOB07689, (4) PWD2526WSOB07690, (5) PWD2526WSOB07691, (6) PWD2526WSOB07692, (7) PWD2526WSOB07693, (8) PWD2526WSOB07694, (9) PWD2526WSOB07695

(B.S. Meena)
Executive Engineer,
P.W.D. Dn. Aligarh

DIPR/C/10708/2025

भारी बारिश के चलते कोटा-बूंदी में बंद करना पड़ा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे

कोटा, (निसं)। हाड़ौती संभाग में भारी बारिश का क्रम जारी है। इसका असर देखने को मिला है कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के 90 किलोमीटर के हिस्से को बंद करना पड़ा है। यहां के ट्रैफिक को दूसरे नेशनल हाईवे पर डायवर्ट किया गया है। यह कोटा जिले के मंडाना से लेकर बूंदी जिले के लबान तक बंद किया हुआ है। जबकि इसके आगे 60 किलोमीटर मेगा हाईवे कोटा लालसोट से लबान से सवाईमाधोपुर तक जाना पड़ता था लेकिन इस रास्ते को ही मेज नदी की पापड़ी पुलिया क्षतिग्रस्त होने के चलते डाइवर्ट कर दिया गया है। यहां ट्रैफिक लगभग 24 घंटे से भी ज्यादा समय से बंद है। दोनों हिस्सों के पहले से ही ट्रैफिक को डाइवर्ट कर दिया गया है। वाहनों को इस पर चढ़ने नहीं दिया जा रहा है। बैरिकेडिंग लगाकर बंद किया गया है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप अग्रवाल ने बताया कि प्रशासन की रिक्वेस्ट पर एक्सप्रेसवे को बंद किया गया है। कब तक बंद रहेगा यह प्रशासन ही क्लियर कर सकता है। सार्वजनिक निर्माण विभाग लाखेरी के अधिशासी अभियंता सतीश सिंघल का कहना कि प्रशासन से पुलिया की स्थिति ठीक नहीं होने के चलते मानसून के पूरे सीजन में रास्ते को बंद करने के लिए कहा है। आगे इसकी जांच के बाद ही क्लियर कर पाएंगे। फिलहाल डेढ़ महीने तक मानसून सीजन में यह बंद रहेगा। दरअसल दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भारी ट्रैफिक आने लग गया था। यह पूरा ट्रैफिक 8 लेन पर चलने वाला दो लेन के मेगा हाईवे और इस पर बनी मेज नदी की पापड़ी की सिंगल लेन पुलिया से गुजर रहा था। हालांकि केशोरायपाटन कापरेन और अन्य आसपास के इलाकों में जाने वाले ट्रैफिक को लाखेरी से गेंडोली और खटकड़ होकर निकलने दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र की तरफ से आ रहे ट्रैफिक को दरा घाटी पार करने के बाद एक्सप्रेसवे के गोपालपुर इंटरचेंज पर चढ़ने की जगह नेशनल हाईवे 52 पर डायवर्ट किया जा रहा है। जहां कोटा बाईपास, हैंगिंग ब्रिज होते हुए बल्लोप से बूंदी फिर हिंडौली पहुंच रहे हैं। जहां से वापस 148डी नेशनल हाईवे पर उनियारा होते हुए सवाई माधोपुर की तरफ जा रहे हैं। इसी हाईवे पर दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे का सवाई माधोपुर इंटरचेंज है जहां से वापस दिल्ली की तरफ जा रहे हैं। दिल्ली से आने वाले ट्रैफिक को भी इसी रूट पर डायवर्ट किया हुआ है। डायवर्टेड रूट से लम्बा हुआ सफर : गोपालपुरा से कोटा बूंदी हिंडौली-उनियारा से वापस एक्सप्रेसवे पकड़ने पर 200 किलोमीटर दूरी होने तय करनी पड़ रही है।

'स्वाधीनता दिवस हर्षोल्लास के साथ फिर से किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर मनाया जाए'

किशनगढ़ बास। 15 अगस्त को पूरे देश में स्वाधीनता दिवस बडे हर्ष और उल्लास के साथ मनाए जाने के लिए विद्यालयों और प्रशासनिक स्तर पर कार्यक्रमों को लेकर तैयारी में जुटने वाले हैं वहीं किशनगढ बास उपखंड मुख्यालय पर स्वाधीनता दिवस मनाया जाने को लेकर लोगों की चिंताएं बढी हुई है। इस को लेकर व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को जिला कलेक्टर किशोर कुमार से मिला है।

किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर स्वाधीनता दिवस समारोह आयोजित कराए जाने को लेकर संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर से मिले विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारीयों ने बताया कि खैरथल तिजारा जिला बनने के बाद से किशनगढ बास उपखंड मुख्यालय पर आयोजित होने वाले उपखंड स्तरीय स्वाधीनता एवं गणतंत्र दिवस समारोह जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह में समायोजित कर दिया गया। व्यापारियों ने बताया कि 26 जनवरी 2025 से व्यापारियों एवं गणमान्य नागरिकों की मांग पर गणतंत्र दिवस समारोह उपखंड मुख्यालय पर फिर से मनाएं जाने शुरू हुआ शहर के व्यापारियों एवं गणमान्य नागरिकों की मांग है कि गणतंत्र दिवस समारोह की तरह स्वाधीनता दिवस भी हर्षोल्लास के साथ फिर से किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर मनाया जाए। जिला कलेक्टर ने व्यापारियों की मांग को सुना और कार्रवाई का आश्वासन दिया। किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर स्वाधीनता दिवस पर उपखंड स्तरीय समारोह आयोजित किए जाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर से मिलने वालों में संयुक्त व्यापार मदन लाल अग्रवाल, लघु उद्योग संघ अध्यक्ष हरमेश खुराना, टेलर संगठन अध्यक्ष प्रभु दयाल, अनिल खुराना सहित विभिन्न सगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय स्वाधीनता दिवस समारोह मनाएं जाने को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते व्यापारी।

- **मौसम विभाग पहले ही तेज बारिश का अलर्ट जारी कर चुका था, जिसे देखते हुए कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने एहतियातन जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी के आदेश जारी किए।**